

प्रेषक,

डी. सेन्थिल पाण्डियन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
श्रीनगर (पौड़ी गढवाल)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 04 अगस्त, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2016-17 में 'के.एल. पॉलीटेक्निक, रुड़की' के वेतन भत्तों आदि के भुगतान हेतु आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि को अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 490/XXVII-I/2016 दिनांक 31.03.2016, शासनादेश संख्या 847/XXVII (1)/2016 दिनांक 26.07.2016 एवं शासनादेश सं- 418/XLI 1/2016-34/2016 दिनांक 06 अप्रैल 2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में 'आयोजनेत्तर' पक्ष में शेष 08 माह हेतु (01 अगस्त, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक) व्यवस्थित धनराशि रु0 20000 हजार (रु. दो करोड़ मात्र) को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि का व्यय करते हुए उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 31.03.2016 एवं 26.7.2016 में वित्त विभाग द्वारा दिए गये निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
 2. उक्त शासनादेश दिनांक 26.07.2016 के प्रस्तर-10 के प्राविधानानुसार अवचनबद्ध मदों की आवश्यकताओं को बजट प्राविधान की सीमा तक ही सीमित रखते हुए धनराशि का व्यय किया जाएगा।
 3. स्वीकृत की जा रही धनराशि को मासिक आवश्यकतानुसार कोषागार से आहरण किया जाएगा।
 4. यह सुनिश्चित कर लिया जाएगा कि संस्था द्वारा धनराशि को किसी भी दशा में आहरित कर बैंक खाते में न रखा जाए। यदि संस्था द्वारा पूर्व में भी शासन से प्राप्त अनुदान धनराशि को बैंक खाते में रखा गया हो तो अर्जित व्याज का विवरण उपलब्ध कराने के उपरान्त ही संस्था को अग्रेतर अनुदान अनुमन्य किया जाएगा।
 5. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
 6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित सीमा तक उसी अधिष्ठान/परिसर के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
 7. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यक मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
 8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2017 तक उपयोग करके उपयोगिता प्रमाणपत्र तथा बी.एम.-08 पर व्यय विवरण शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
- 2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में आय-व्ययक के 'अनुदान संख्या 11' के 'आयोजनेत्तर' पक्ष में लेखाशीर्षक "2203-तकनीकी शिक्षा-00-104-अराजकीय तकनीकी कॉलेजों तथा

संस्थानों को सहायता-00-03-के.एल. पॉलीटैक्निक, रुड़की" के मानक मद "43-वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान" के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. संलग्नक-1 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 31.03.2016 एवं 26.07.2016 के द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(डी. सेन्थिल पाण्डियन)

सचिव।

संख्या : 896 (1)/XLI(1)/2016-38/2016 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/हरिद्वार।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/हरिद्वार।
6. प्रधानाचार्य, के.एल. पॉलीटैक्निक, रुड़की (हरिद्वार)।
7. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
9. राष्ट्रीय सूचना प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनील सिंह)

उप सचिव।